

**Code No.: US-37**

Total No. of Questions : 5

Total No. of Printed Pages : 1

**स्नातकोत्तरपरीक्षा:- २०१५**

**एम्.ए. - विद्वदुत्तमा - द्वितीयवर्षम्**

**शास्त्रम् - अद्वैतवेदान्तशास्त्रम्**

**भागः - २, पत्रिका - ४**

**विषयः - व्यायरक्षामणिः**

**दिनाङ्कः - 29-3-2015**

**गरिष्ठाङ्काः - ८०**

**समयः - 2.30 P.M. to 5.30 P.M.**

**Max. Marks - 80**

**सूचना : पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः।**

- |   |    |
|---|----|
| I. शास्त्रारम्भणसमर्थनपूर्वकं जिज्ञासाधिकरणं साङ्गमारचयत। | 15 |
| II. ब्रह्मण वेदोपादानत्वं वेदैकगम्यत्वं च विशदयत।         | 15 |
| III. “प्रधानं न सच्छब्दवाच्यम्” सम्यग् निरूपयत।           | 15 |
| IV. आकाशाधिकरणं साङ्गमारचयत।                              | 15 |

(अथवा)

प्रतर्दनाधिकरणं साङ्गमारचयत।

- |                                       |             |
|---------------------------------------|-------------|
| V. द्वयोः व्याख्यानं कुरुत।           | 2 × 10 = 20 |
| १. जन्माद्यस्य यतः।                   |             |
| २. विकारशब्दादिति चेन्न प्राचुर्यात्। |             |
| ३. प्राणस्तथानुगमात्।                 |             |